मझधार में है नैया | By Anil Sharma,Meena|

मझधार में है नैया
बड़ी दूर किनारे हैं
अब पार करो बेड़ा
हम तेरे सहारे हैं

जिस ओर भी देखूँ मैं
कुछ भी ना नज़र आए
हर वक्त डराते हैं
पापों के घने साए
पापों के घने साए
तुम आन बनो जो भी
आए अंधियारे हैं
अब पार करो बेड़ा
हम तेरे सहारे हैं

सुनते हैं तेरी रहमत
दिन रात बरसती है
उसे राह दिखाते हो
नैया जो भटकती है
नैया जो भटकती है
तुम आन बने माजी
तूफान भी हारे हैं
अब पार करो बेड़ा
हम तेरे सहारे हैं

है कौन वो दुनिया में
ना प्यार किया तुमने
दुख दर्द के कांटों से
आजाद किया तुमने
आजाद किया तुमने
तुम आन बने साथी
जो आपके द्वारे हैं
अब पार करो बेड़ा
हम तेरे सहारे हैं

मझधार में है नैया
बड़ी दूर किनारे हैं
अब पार करो बेड़ा
हम तेरे सहारे हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%9d%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%a8%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-anil-sharmameena/